खबर संक्षेप

युवती को गायब कर मजबूरी का फायदा उठाने वाला धराया

शहडोल। कानून के लंबे हाथों ने आखिरकार उस शिकारी को दबोच ही लिया, जो एक मासूम युवती की जिंदगी से खिलवाड़ कर खाकी को चकमा देने की फिराक में था। केशवाही पुलिस ने सचिन सिंह कंवर नामक उस आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने न केवल एक बेटी का अपहरण किया, बल्कि उसकी अस्मत पर भी हाथ डाला। मामला 17 दिसंबर 2025 का है, जब युवती अचानक लापता हो गई थी। पुलिस ने गुम इंसान (100/26) दर्ज कर फाइलों में धूल नहीं जमने दी। 25 मार्च को जैसे ही युवती पुलिस के हाथ लगी, उसने जुल्म की जो दास्तां सुनाई, उसे सुनकर खाकी का भी खून खौल उठा। बयानों और वीडियोग्राफी के साक्ष्यों ने आरोपी सचिन के सफेदपोश चेहरे को बेनकाब कर दिया। आरोपी सचिन सिंह खुद को कानून से ऊपर समझ रहा था और गिरफ्तारी के डर से चूहे की तरह बिल में दुबक गया था, लेकिन उसे क्या पता था कि पुलिस की टेक्निकल सर्विलांस उसकी हर हरकत पर नजर रखे हुए है।

चाकू की नोक पर बसों से 300 लीटर डीजल पार

शहडोल। कोयलांचल के शांत कहे जाने वाले केशवाही इलाके में अब अपराधियों ने सरेराह जंगलराज कायम कर दिया है। बीती रात बेखौफ बदमाशों ने गहरवार कंपनी की खड़ी बसों को अपना निशाना बनाया और धारदार हथियारों के दम पर करीब 300 लीटर डीजल लूटकर फरार हो गए। कार में सवार होकर आए इन हाईटेक चोरों ने न केवल चोरी की, बल्कि विरोध करने वाले नागरिक को जान से मारने की धमकी देकर दहशत फैला दी।घटना राजेश सोनी के घर के सामने की है, जहाँ गहरवार कंपनी की बसें एमपी 65 जेड 7141 और एमपी 65 पी 0178 हर रोज की तरह खड़ी थीं। रात के सन्नाटे में करीब 1:40 बजे एक संदिग्ध कार रुकी और उसमें से उतरे शातिर बदमाशों ने बड़े-बड़े डिब्बों में बसों की टंकियों से डीजल उलीचना शुरू कर दिया। ताज्जुब की बात यह है कि बसों के भीतर ड्राइवर और स्टाफ गहरी नींद में सो रहे थे और बाहर बदमाशों का खेल बदस्तूर जारी था। जब घर के मालिक राजेश सोनी आहट सुनकर बाहर निकले, तो मंजर देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने जैसे ही बदमाशों को टोकना चाहा, लुटेरों ने जेब से नुकीला हथियार निकालकर उनकी गर्दन की ओर तान दिया। हथियार देख राजेश सोनी सहम गए और बदमाश सारा डीजल समेटकर अपनी कार में सवार होकर रफूचक्कर हो गए। सुबह होते ही बस कंडक्टर दुर्गेश पटेल ने चौकी पहुँचकर अपनी आपबीती सुनाई। केशवाही से अमरकंटक रूट पर चलने वाली इन बसों को अब सरेराह लूटा जा रहा है, जिससे बस मालिकों में भारी रोष है। केशवाही पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

जुगाड़ की जुगलबंदी में दबे नियम

अमरकंटक थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली राख के परिवहन और डंपिंग में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। ठेकेदार राजू सिंह और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय प्रबंधक की कथित मिलीभगत से नियमों को खुली छूट मिल गई है। खुले और ओवरलोड वाहनों से राख परिवहन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ा है, जबकि जिम्मेदार विभाग मौन बने हुए हैं।

हरिभूमि
ओवरलोड वाहनों से राख परिवहन, पर्यावरण मानकों की अनदेखी और फर्जी भुगतान के जरिए करोड़ों का खेल

खुले-ओवरलोड वाहनों से राख का खेल, आंखें मूंदे जिम्मेदार

शहडोल। शहडोल और अनूपपुर जिलों में अमरकंटक थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली राख (राखड़) के परिवहन और निस्तारण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि इस पूरे नेटवर्क पर ठेकेदार राजू सिंह का वर्षों से वर्चस्व बना हुआ है और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ उसकी कथित जुगलबंदी के कारण नियम-कायदों को दरकिनार कर काम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि राजू सिंह करीब डेढ़ दशक से इस कार्य में सक्रिय है और समय के साथ उसने सिस्टम को इस कदर मैनेज कर लिया है कि अब कोई भी विभाग उसके खिलाफ कार्रवाई करने की स्थिति में नजर नहीं आता। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा आम है कि पीसीबी के क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा दी गई ढील के चलते पर्यावरणीय मानकों का पालन लगभग खत्म हो गया है।

रोजाना दर्जनों हाइवा वाहन अमरकंटक प्लांट से राख लेकर सुहागपुर, जमुना-कोतमा और धनपुरी क्षेत्र की खदानों तक पहुंचते हैं। इन वाहनों में न तो राख को ढंका जाता है और न ही निर्धारित सीमा का पालन किया जाता है। ओवरलोडिंग आम बात हो चुकी है। नतीजतन, रास्ते भर धूल का गुबार उड़ता रहता है, जिससे ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में रहने वाले लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

अमलाई से धनपुरी तक के मार्ग पर हालात यह हैं कि सडक़ किनारे राख की मोटी परत जम चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह पूरा काम धनपुरी नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत हो रहा है, जहां बंद हो चुकी बैग ओपन कास्ट माइंस में बड़े पैमाने पर राख डंपिंग की जा रही है। इसके बावजूद नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है। न तो कोई निगरानी है और न ही रोकथाम के प्रयास दिखाई देते हैं।

सूत्रों के अनुसार, खदानों के गड्ढों को भरने के नाम पर केवल राख डाली जा रही है, जबकि नियमों के तहत राख के बाद मिट्टी की परत डालकर उसे कम्पैक्ट करना अनिवार्य है। यहां इस प्रक्रिया की खुली अनदेखी हो रही है। इतना ही नहीं, मिट्टी भी आसपास के क्षेत्रों को खोदकर लाई जा रही है, जिससे नए गड्ढे बन रहे हैं और पर्यावरण को दोहरा नुकसान पहुंच रहा है।

इस पूरे मामले में पारदर्शिता का भी अभाव है। प्लांट से कितनी राख निकल रही है और कितनी खदानों में डाली जा रही है, इसका कोई स्पष्ट और विश्वसनीय रिकॉर्ड नहीं है। भुगतान भी ठेकेदार द्वारा बताए गए आंकड़ों के आधार पर किया जा रहा है, जिससे करोड़ों रुपये के गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है। यातायात और पुलिस विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। खुले और ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश होने के बावजूद न तो चालान किए जा रहे हैं और न ही किसी प्रकार की सख्ती दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मैनेजमेंट के आगे पूरा सिस्टम नतमस्तक हो चुका है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही लंबे समय में गंभीर परिणाम ला सकती है। जल स्रोतों का प्रदूषण, वायु गुणवत्ता में गिरावट और जैव विविधता पर खतरा बढ़ रहा है। फिलहाल, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी जांच की बात कह रहे हैं, लेकिन बड़ा सवाल यही है कि जब यह सब लंबे समय से चल रहा है, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। क्या राजू सिंह और अधिकारियों की यह जुगलबंदी आगे भी इसी तरह नियमों को धता बताती रहेगी, या फिर जिम्मेदार विभाग अब जागेंगे, यह देखने वाली बात होगी।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा सार्वजनिक प्याऊ की शुरुआत

शहडोल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय के निर्देशन एवं ब्लॉक समन्वयक ऋत्विकदास मिश्रा के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत बसोहरा अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बसोहरा द्वारा सार्वजनिक प्याऊ की शुरुआत हुई। सार्वजनिक प्याऊ से इस बढ़ती गर्मी के दौरान ग्रामीण जन एवं यात्रियों को निःशुल्क पेयजल की सुविधा मिल सकेगी। सार्वजनिक प्याऊ के शुभारंभ अवसर पर मौजूद ग्राम पंचायत बसोहरा के सरपंच दशरथ सिंह मरावी ने कहा कि यात्रियों एवं ग्रामीणजन को निःशुल्क रूप से पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इस दौरान उपस्थित राहगीरों को चना एवं गुड़ भी खिलाया गया। सार्वजनिक प्याऊ के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित दशरथ सिंह मरावी, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष राजकुमार यादव, अमन कुमार गुप्ता, मुनीश सिंह मरावी, मान सिंह सहित अन्य ग्रामीण जन एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य मौजूद रहे।

8 साल तक सूरत में लूटी अस्मत शादी की बारी आई तो दूसरी ले आया दुल्हन

शहडोल। प्यार, वफा और शादी का झांसा देकर किसी मासूम की जिंदगी से कैसे खिलवाड़ किया जाता है, इसका घिनौना चेहरा गोहपारू पुलिस ने बेनकाब किया है। पुलिस ने एक ऐसे धोखेबाज आशिक रज्जन बैगा को सलाखों के पीछे पहुंचाया है, जिसने सात जन्मों के वादे कर आठ सालों तक एक महिला का दैहिक शोषण किया और अंत में उसे लावारिस छोडक़र अपनी नई गृहस्थी बसा ली।

घर आकर रचा ली शादी मामला किसी फिल्मी पटकथा जैसा है, लेकिन दर्द असली है। साल 2016 में आरोपी रज्जन बैगा ने पीड़िता को शादी का सब्जबाग दिखाकर पहली बार अपनी हवस का शिकार बनाया। इसके बाद उसे सूरत (गुजरात) ले गया, जहां पति-पत्नी का ढोंग रचकर वह सालों तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। जिस महिला ने उसे अपना सर्वस्व मान लिया, उसे एक साल पहले आरोपी सूरत की गलियों में अकेला छोडक़र गांव भाग आया। हद तो तब हो गई जब पीड़िता के दबाव बनाने पर आरोपी ने 24 फरवरी को किसी दूसरी महिला से ब्याह रचा लिया।

कानून का डंडा चला पीड़िता की शिकायत पर गोहपारू पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जाल बिछाया। शुक्रवार, 3 अप्रैल को थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा की टीम ने आरोपी रज्जन बैगा को ग्राम गुढ़ा से दबोच लिया। शादी का झांसा देकर टाइमपास करने वाले इस आरोपी को अब अदालत के चक्कर काटने पड़ेंगे। इस कार्यवाही में एएसआई रामेश्वर पाण्डेय, भागचन्द्र चौधरी और आरक्षक राजकुमार रघुवंशी की भूमिका रही।

बुढार जनपद में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग पर भ्रष्टाचार के संगीन आरोप

बिना लेन-देन ठप्प पड़ी विकास की रफ्तार

शहडोल। जिले के बुढार जनपद में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग इन दिनों गंभीर आरोपों के घेरे में है। विभाग में पदस्थ अनुभागीय अधिकारी राघवेंद्र सिंह पर पंचायतों के विकास कार्यों को जानबूझकर रोकने और बिना कथित लेन-देन के फाइल आगे न बढ़ाने के आरोप खुलकर सामने आ रहे हैं। त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत के जरिए गांवों में विकास योजनाएं लागू की जाती हैं, लेकिन बुढार क्षेत्र में हालात इसके उलट नजर आ रहे हैं। पंचायत प्रतिनिधियों का आरोप है कि आरईएस विभाग की तकनीकी स्वीकृति और भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, पहले उपयंत्रियों के माध्यम से एस्टीमेट और मूल्यांकन के नाम पर पैसे लिए जाते थे, लेकिन अब यह व्यवस्था पूरी तरह केंद्रीकृत हो गई है। सीधे एसडीओ स्तर पर ही फाइलें अटकाई जा रही हैं। पंचायतों के निर्माण कार्यों चाहे वह सडक़ हो, नाली हो या भवन निर्माण सबकी फाइलें बिना सेटिंग के लंबित पड़ी हैं।

क्षेत्र में लागू प्रमुख योजनाएं जैसे मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), नल-जल योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) इन सभी में भुगतान को लेकर भारी असंतोष फैल गया है। पहले ही मनरेगा में तकनीकी खामियों के चलते मजदूरों का भुगतान समय पर नहीं हो पा रहा, वहीं अन्य योजनाओं के फंड को भी कथित तौर पर रोका जा रहा है। आरोप है कि मनरेगा में भुगतान की देरी का पूरा दबाव अब अन्य योजनाओं पर डाला जा रहा है, जिससे पंचायतों की वित्तीय स्थिति चरमरा गई है। सरपंच और सचिव लगातार दबाव में हैं, एक तरफ ग्रामीणों का काम पूरा कराने का दबाव, दूसरी तरफ विभागीय अड़चनें और कथित मांगें।स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि हाल ही में पदस्थ हुए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी इस पूरे तंत्र के सामने बेअसर नजर आ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा जोरों पर है कि आरईएस विभाग के एसडीओ के प्रभाव के कारण प्रशासनिक नियंत्रण कमजोर पड़ गया है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह पूरा मामला जिला पंचायत सीइओ और कलेक्टर स्तर तक प्रभावी तरीके से नहीं पहुंच पा रहा है या फिर पहुंचने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। यही कारण है कि विभागीय स्तर पर कथित मनमानी और बढ़ती जा रही है।बुढार जनपद की कई पंचायतों में इन हालातों को लेकर गहरा असंतोष है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि जल्द ही इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मुद्दा बड़ा जनआंदोलन बन सकता है। गांवों में रुकते विकास कार्य और बढ़ता आक्रोश साफ संकेत दे रहे हैं कि यदि व्यवस्था में पारदर्शिता नहीं लाई गई, तो इसका सीधा असर सरकार की छवि पर पड़ेगा।

आरक्षक ने रास्ता भटके मासूम को परिजनों ने मिलवाया

शहडोल। जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर और संवेदनशील कार्यवाही से खेलते-खेलते घर का रास्ता भटक गए एक 03 वर्षीय मासूम को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय पर की गई इस कार्रवाई से बच्चे को सुरक्षित संरक्षण मिल सका।01 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत इतवारी मोहल्ला में एक 03 वर्षीय बालक अकेला मिला है, जो घर का रास्ता भटक गया है। पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही थाना कोतवाली में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।मौके पर पहुंचकर प्रधान आरक्षक बैजनाथ सिंह एवं पायलट अनुराग द्विवेदी ने बालक को अपने संरक्षण में लेकर आसपास के क्षेत्र में परिजनों की तलाश एवं पूछताछ की। लगातार प्रयासों के पश्चात बालक के परिजन मिले, जिन्हें पहचान एवं सत्यापन उपरांत बालक को सुरक्षित सुपुर्द किया गया। अपने बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों ने राहत महसूस की और डायल-112 सेवा एवं पुलिस जवानों का आभार व्यक्त किया। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा के लिए सदैव सजग, संवेदनशील और प्रतिबद्ध है।

कपड़ा दुकान में लगी आग, जीवन भर की कमाई राख

शहडोल। सूरज की तपिश के साथ अब जिले में आग का कहर बरपना शुरू हो गया है। ताजा मामला खैरहा थाना क्षेत्र का है, जहां राजेंद्र गेस्ट हाउस के बगल में स्थित नरेंद्र जायसवाल के कॉम्प्लेक्स में भीषण आग ने ऐसा तांडव मचाया कि देखते ही देखते लाखों का कीमती कपड़ा राख के ढेर में तब्दील हो गया। इस अग्निकांड के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक कपड़े की दुकान से अचानक धुएं का गुबार उठा और पलक झपकते ही आग ने विकराल रूप ले लिया। आग इतनी भयानक थी कि लपटें आसमान छूने लगीं। आशंका जताई जा रही है कि भीषण गर्मी के चलते शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान मालिक जब तक कुछ समझ पाता, उसकी जीवन भर की कमाई आग की भेंट चढ़ चुकी थी। लपटों की सूचना मिलते ही खैरहा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए खुद मोर्चा संभाला। बिना वक्त गंवाए पुलिस टीम आग बुझाने में जुट गई, जिसके बाद धनपुरी नगरपालिका की दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। घंटों की कड़ी मशक्कत और वॉटर कैनन की बौछारों के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, तब तक दुकान के भीतर सिर्फ जलता हुआ कोयला और बर्बादी का मंजर ही बचा था। यह घटना जिले के लिए एक बड़ी चेतावनी है। बढ़ती गर्मी के बीच बिजली के तारों पर लोड और लापरवाही किसी भी बड़ी दुर्घटना का सबब बन सकती है। खैरहा पुलिस अब मामले की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर आग लगने की असली वजह क्या थी। सावधान! अगर आप भी अपने प्रतिष्ठानों में बिजली फिटिंग और सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज कर रहे हैं, तो याद रखिए... अगली बारी आपकी भी हो सकती है। फिलहाल, नरेंद्र जायसवाल को हुए भारी आर्थिक नुकसान ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है।

महुआ बीन रहे ग्रामीण को वाहन ने कुचला, मौत

शहडोल। आदिवासी बाहुल्य जिले में महुआ सीजन खुशियों के बजाय मातम लेकर आया है। ब्यौहारी क्षेत्र के बनसुकली मेन रोड पर रफ्तार के एक बेकाबू राक्षस ने सडक़ किनारे महुआ बीन रहे एक निर्दोष ग्रामीण की जिंदगी को बेरहमी से कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि 42 वर्षीय लक्ष्मण सिंह गोंड पिता शंभू सिंह गोंड को संभलने तक का मौका नहीं मिला और उसने मौके पर ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। घटना सीधी थाना क्षेत्र के घुटघुरिया के पास की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गौटियांन मोहल्ला निवासी लक्ष्मण सिंह अपने साथियों के साथ सुबह की पहली किरण के साथ सडक़ किनारे गिरे महुआ के फूल बीन रहा था। तभी बनसुकली की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार पल्सर बाइक मौत बनकर आई। बाइक सवार ने सडक़ किनारे काम कर रहे युवक को ऐसी जोरदार टक्कर मारी कि वह हवा में उछलकर दूर जा गिरा। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े, लेकिन तब तक लक्ष्मण की सांसें टूट चुकी थीं। सूचना मिलते ही सीधी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर बाइक जप्त कर ली है। हालांकि, कागजी कार्यवाही से उस परिवार का क्या होगा जिसका मुखिया इस रफ्तार के शौक की बलि चढ़ गया।

यह हादसा उन लापरवाह बाइक सवारों के गाल पर तमाचा है, जो ग्रामीण क्षेत्रों की सडक़ों को रेस ट्रैक समझते हैं। महुआ सीजन में सडक़ किनारे सैकड़ों ग्रामीण अपनी रोजी-रोटी के लिए काम करते हैं, लेकिन प्रशासन की ढिलाई और बेखौफ वाहन चालकों ने इन गरीबों की सुरक्षा को भगवान भरोसे छोड़ दिया है।

खबर संक्षेप

भंडारे से लौट रही महिला की नाले में डूबने से मौत

उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली अंतर्गत वार्ड क्रमांक 12 स्थित झरिया मोहल्ला उस वक्त चीखों से दहल उठा, जब सुबह लोगों ने गजरा नाले के पानी में एक महिला का शव उतराता देखा। मृतिका की पहचान 40 वर्षीय देववती बशोर पति रामचरण बशोर के रूप में हुई है। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में मातम के साथ-साथ दहशत का माहौल है।

भंडारे से लौटते वक्त काल ने झपटा परिजनों के मुताबिक, देववती बीती रात मोहल्ले में आयोजित एक धार्मिक भंडारे में शामिल होने गई थी। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से मिर्गी की बीमारी से जूझ रही थी। आशंका की गहरी सुई इस ओर घूम रही है कि रात को घर लौटते समय अंधेरे में उसे अचानक मिर्गी का दौरा पड़ा होगा, जिससे वह खुद को संभाल नहीं पाई और अनियंत्रित होकर गहरे नाले में जा गिरी। बेबस महिला की पानी में डूबने से तड़प-तड़प कर जान चली गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार सुबह जब ग्रामीणों ने नाले में लाश देखी, तो खबर आग की तरह फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और शव को पानी से बाहर निकलवाकर पंचनामा तैयार किया। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि प्रथम दृष्टया यह हादसा लग रहा है, लेकिन पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। क्या यह महज एक बीमारी का नतीजा है या इसके पीछे कोई और बड़ी लापरवाही? पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह का पर्दाफाश होगा।

संकटमोचन के जयकारों से गूंजी वीरनगरी

उमरिया। अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता, पवनपुत्र हनुमान का प्राकट्योत्सव जिला मुख्यालस सहित कस्बाई क्षेत्रों में अपार श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। ब्रह्म मूहूर्त से ही समूचा क्षेत्र जय श्री राम और जय हनुमान के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। बिरसिंहपुर पाली के कोने-कोने में स्थित मारुति नंदन के दरबारों में भक्तों की ऐसी अटूट आस्था दिखी कि आस्थावानों का सैलाब सडकों पर उमड़ पड़ा।

दिव्य श्रृंगार और अनुष्ठानों की धूम हनुमान जयंती के पावन अवसर पर नगर के मंदिरों को फूलों और विद्युत मालाओं से दुल्हन की तरह सजाया गया था। एक दिन पूर्व से ही शुरू हुए अखंड रामायण पाठ और सुंदरकांड के स्वरों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सुबह सूर्योदय के साथ ही बजरंगबली का विधिवत अभिषेक, विशेष पूजन और हवन अनुष्ठान संपन्न हुए। भक्तों ने मारुति नंदन की मोहक छवि के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

प्रभु की भव्य पालकी यात्रा उत्सव का मुख्य आकर्षण मां बिरासनी धाम स्थित हनुमान मंदिर से निकाली गई भव्य पालकी यात्रा रही। गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों की थाप पर संकटमोचन की झांकी जब नगर भ्रमण पर निकली।

करोड़ों की योजना में भ्रष्टाचार का खेल, शिकायतों के बाद भी नहीं हुई जांच

नौरोजाबाद में नल-जल योजना में बड़ा घोटाला!

उमरिया। जिले की नगर परिषद नौरोजाबाद में संचालित मुख्यमंत्री नल-जल योजना में भारी अनियमितताओं और संभावित भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय नागरिकों द्वारा लगातार शिकायतें की जा रही हैं कि योजना के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने, सडक खुदाई, निर्माण कार्य एवं सामग्री के उपयोग में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है, जिससे शासन की करोड़ों रुपये की योजना पर सवाल खड़े हो गए हैं। नगरवासियों का आरोप है कि नगर परिषद नौरोजाबाद के जिम्मेदार अधिकारी, सीएमओ, इंजीनियर एवं ठेकेदार के बीच मिलीभगत के चलते कार्य मनमाने तरीके से किया जा रहा है। बिना तकनीकी मानकों और नियमों का पालन किए पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जिससे भविष्य में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी हुई है।

सडकों को खोदकर डाली जा रही पाइपलाइन- डिंडोरी रोड सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर पाइपलाइन डालने को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, डिंडौरी रोड का निर्माण कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है, लेकिन उससे पहले ही जुहिला नदी से लाई गई मुख्य सप्लाई पाइपलाइन बिछा दी गई है। ऐसे में जब सडक का निर्माण होगा, तो पाइपलाइन को निकालना पड़ेगा या उसके क्षतिग्रस्त होने की पूरी संभावना बनी हुई है। इससे स्पष्ट है कि कार्य बिना उचित योजना और तकनीकी मानकों के किया जा रहा है, जिससे शासन की योजना को नुकसान पहुंच सकता है। नगर के अंदर भी कई स्थानों पर नई और पुरानी सडकों को खोदकर पाइपलाइन डाली गई है और लगातार डाली जा रही है, जिससे सडकों की स्थिति खराब हो रही है। नगर परिषद नौरोजाबाद जाने वाले मुख्य मार्ग को भी बीच सडक से खोदकर पाइपलाइन बिछाई गई है, जो नियमों के विपरीत प्रतीत होता है। इस प्रकार के कार्यों से आम जनता को भारी परेशानी हो रही है और शासन के धन का भी दुरुपयोग हो रहा है। जबकि नियमानुसार पहले पाइपलाइन बिछाकर उसके बाद सडक निर्माण होना चाहिए। इसके उलट कार्य किए जाने से सडकों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है।

बिना एनओसी के सडक खुदाई, नियमों की खुली अनदेखी- स्थानीय निवासी देवेंद्र प्यासी का कहना है कि राज्य मार्ग (डिंडौरी रोड) पर बिना सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए ही सडक को जगह-जगह तोडकर पाइपलाइन डाली जा रही है, जो नियमों के विपरीत है। इस संबंध में उनके द्वारा लिखित शिकायत भी की गई है, लेकिन अब तक न जांच हुई और न ही कोई कार्रवाई, जिससे जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार मौन- इस पूरे मामले को लेकर संबंधित विभाग और अधिकारियों को अलग-अलग शिकायत आवेदन भी सौंपे गए हैं। पहला आवेदन नगर परिषद नौरोजाबाद के मुख्य नगर परिषद अधिकारी को दिया गया, जिसमें वर्ष 2016 से अधूरी पड़ी नल-जल योजना, गुणवत्ताहीन कार्य, बार-बार सडकों की खुदाई, पाइपलाइन की खराब गुणवत्ता एवं आम नागरिकों को हो रही परेशानियों का उल्लेख करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। दूसरा आवेदन एम.पी.आर.डी.सी. को दिया गया, जिसमें डिंडौरी राज्य मार्ग (डिंडौरी हाईवे) को बिना अनुमति एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र के क्षतिग्रस्त कर पाइपलाइन बिछाने की शिकायत की गई है। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि सडक को जगह-जगह तोडकर अव्यवस्थित तरीके से पाइपलाइन डाली जा रही है, जिससे सडक की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है।

पाइप उखाडकर ले गए कर्मचारी- नगर के कृष्णा कॉलोनी एवं वार्ड क्रमांक 03 में बिछाई गई पाइपलाइन को ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा उखाडकर ले जाने के आरोप भी सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले ही गड्ढा खोदकर पाइपलाइन कनेक्शन दिया गया था, लेकिन बाद में कर्मचारी आकर उसी पाइप को उखाडकर ले गए। लोगों ने इसका विरोध भी किया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही ठेकेदार को खुली छूट दे रहे हैं, तो आम जनता की परेशानी स्वाभाविक है। सवाल यह भी उठता है कि जिन घरों में कनेक्शन दिया गया था, उन्हें किस आदेश और नियम के तहत हटाया गया? भीषण गर्मी में लोगों को पानी से वंचित करना बेहद गंभीर मामला है।

सीएम हेल्पलाइन 181 में भी शिकायत दर्ज- मामले की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों ने मध्य प्रदेश सरकार की सीएम हेल्पलाइन 181 में भी शिकायत दर्ज कराई है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। नगरवासियों ने मांग की है कि पाइपलाइन में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता जांची जाए, किस वार्ड में कितने कनेक्शन दिए गए, इसका सत्यापन किया जाए, उपयोग की गई सामग्री और खर्च की जांच हो, सडक खुदाई एवं निर्माण कार्य की तकनीकी जांच हो, ठेकेदार के बिल भुगतान एवं वित्तीय अनियमितताओं की जांच की जाए।

जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग- नगरवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर अधिकारी, इंजीनियर एवं ठेकेदार के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाए। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पूर्व में भी शिकायतें की गईं और पानी टंकी में लीकेज जैसी समस्याएं सामने आईं, लेकिन उसके बाद भी न ठेकेदार पर कोई कार्रवाई हुई और न ही उसे ब्लैकलिस्ट किया गया। इससे साफ प्रतीत होता है कि सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है और जिम्मेदार अधिकारी इस ओर गंभीर नहीं हैं। वही लोगों ने जिला प्रशासन और प्रदेश शासन द्वारा एक उच्चस्तरीय टीम गठित कर पूरे कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए, जिसमें टेंडर प्रक्रिया, बिल भुगतान, पाइपलाइन बिछाने का कार्य, उपयोग की गई सामग्री एवं गुणवत्ता की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

भवन निर्माण कर्ता के द्वारा सड़क के बीचों-बीच मिट्टी डालकर बना दिया गया ब्रेकर

दुर्घटना के शिकार होते-होते बचे वाहन चालक

हरिभूमि न्यूज, कोतमा। नगर से केशवाही जाने वाले रास्ते में भवन निर्माण कर्ता के द्वारा सड़क के बीचों-बीच मिट्टी डालकर ब्रेकर बना दिया गया है जिसके कारण आए दिन वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कई वाहन चालक तो दुर्घटना के शिकार होते-होते बचे। बताया जाता है कि केशवाही जाने वाले मार्ग में 132 सब स्टेशन के आगे भवन निर्माणकर्ता के द्वारा सड़क के दूसरी ओर से भवन निर्माण में पानी उपयोग करने के लिए पानी के पाइप की क्रॉसिंग किया गया है और उसे पाइप के ऊपर मिट्टी का टीला नुमा ब्रेकर बना दिया गया है इसके कारण आवागमन करने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ता है धूप होने के कारण सफेद मिट्टी दूर से नजर नहीं आती है जिसके कारण वाहन चालकों को ब्रेकर नजर नही आता और दुर्घटना के शिकार हो जा रहे हैं नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से बीच सड़क में बनाए गए ब्रेकर को हटाए जाने की मांग की है।

भीषण गर्मी, लोग जमकर परेशान

हरिभूमि न्यूज कोतमा। उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। सुबह से ही आसमान से जमकर आग बरसने लगती है। दोपहर होते-होते आसमान मे बादल छा जातें हैं। लोगों को सूर्य देव के प्रचंड तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। अभी अप्रैल महीने की शुरुआत हुई है और सुबह से ही भीषण गर्मी लोगों की हालत बिगाड़ रही है।

लू के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे हैं दिन की शुरुआत के साथ ही सूर्य की तपन से धरती तपने लगती है। नगर की सड़कों में दोपहर में जरुरी काम वाले लोग ही नजर आते हैं, वो भी पसीने से तर-बतर रहते हैं। यही नहीं दुकानों में भी ग्राहक नहीं रहते भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते रहते हैं। भीषण गर्मी और धूप तेज होने के चलते दोपहर में लोग बाहर निकलने से बचते नजर आ रहे हैं। जो लोग घर से बाहर निकल रहे हैं, वह भी धूप व लू से बचने के लिए सिर व मुंह पर कपड़ा बांध कर निकल रहे। गर्मी से लोगों को कूलर पंखे में निजात नही दे पा रहे हैं। रात में भी उमस भरी गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल है।

प्रदीप बने अखंड ब्राह्मण सेवा समिति के जिलाअध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

विप्र समाज की वैचारिकता को नई ऊर्जा देने और सामाजिक सरोकारों को धरातल पर उतारने के संकल्प के साथ, कोतमा स्थित ठाकुर बाबा धाम मंदिर परिसर में अखंड ब्राह्मण सेवा समिति भारतवर्ष की एक महती बैठक संपन्न हुई। भक्तिमय और ओजस्वी वातावरण में आयोजित इस सभा में सर्वसम्मति से पंडित प्रदीप उपाध्याय को अनूपपुर जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु ब्राह्मण समाज की एकता, सशक्तिकरण और संगठन का विस्तार रहा। उपस्थित प्रबुद्धजनों ने इस बात पर बल दिया कि समाज को न केवल वृहद बनाना है, बल्कि उसे वैचारिक रूप से इतना सशक्त करना है कि वह राष्ट्र निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका सुनिश्चित कर सके। निर्णय लिया गया कि भविष्य में समय-समय पर ऐसी रचनात्मक बैठकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ सके।

इस वैचारिक विमर्श में संगठन के राष्ट्रीय संस्थापक पंडित सुभाष कुमार चतुर्वेदी की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ ही समाज के पुरोधाओं में पंडित श्रीकांत मिश्रा, पंडित नीलेंद्र तिवारी, पंडित दिलीप शुक्ला, पंडित राजकमल तिवारी, पंडित महेश सुदर्शन मिश्रा, पंडित संतोष चौबे, पंडित मोहनलाल द्विवेदी सहित विप्र समाज के अनेक वरिष्ठ जन सम्मिलित हुए, जिन्होंने संगठन की रीति-नीति पर प्रकाश डाला। बैठक के सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर, समाज की सेवा के प्रति समर्पित पंडित प्रदीप उपाध्याय के नाम का प्रस्ताव रखा गया। उनकी कर्मठता और निष्ठा को देखते हुए उपस्थित समस्त विप्र बंधुओं ने करतल ध्वनि के साथ इस निर्णय का समर्थन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक पंडित सुभाष कुमार चतुर्वेदी ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर विधिवत पदभार की जिम्मेदारी प्रदान की।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा की शुरुआत

प्रथम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक चार शंकर मंदिर के पास सात दिवस श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आरंभ गुरुवार को हुआ। सुबह आठ बजे से ही बड़ी.संख्या में श्रद्धालु आयोजन स्थल पर एकत्रित हुए। भागवत कथा के आयोजक विजय जायसवाल के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन कथा परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा को विधि विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ जल को कलश में लेकर नगर के मुख्य मार्गो का भ्रमण करते हुए कथा स्थल पर पहुंचे। बैंड-बाजे के साथ जय श्री राधे एवं देवी-देवताओं के नाम के उच्चारण जयघोष के साथ पूरा नगर भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा में बड़ी. संख्या में छोटे-छोटे बच्चे, युवा बुजुर्ग युवतियां व महिलाओं ने हिस्सा लिया। कलश यात्रा में सबसे आगे भागवत को सिर पर उठाये परिवार के सभी सदस्य, गद्दी सेवक और समाज के बंधु चल रहे थे। कलश यात्रा में पीले वस्त्र धारण की हुई कन्याएं व महिलाएं सिर पर कलश लेकर मंगलगीत गाती चल रही थीं। कलश यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। इसके बाद मंत्रोच्चारण के बीच पुरोहितों द्वारा कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। कथा व्यास महाराज आचार्य सुदामा महाराज ने कहा कि भगवान की लीला अपरंपार है। वे अपनी लीलाओं के माध्यम से मनुष्य व देवताओं के धर्मानुसार आचरण करने के लिए प्रेरित करते हैं। श्रीमद् भागवत कथा मन की शुद्धि का साधन है। तन का स्नान तो लोग नाना प्रकार के साधन से कर लेते हैं, परंतु मन की शुद्धि के लिए सत्संग आवश्यक होता है। सत्संग श्रवण के लिए किसी उम्र सीमा की वैधता नहीं है। श्रीमद भागवत कथा के महत्व को समझाते हुए कहा कि भागवत कथा में जीवन का सार तत्व मौजूद है। आवश्यकता निर्मल मन और स्थिर चित्त के साथ कथा श्रवण करने की है। इस मौके पर भारी संख्या मे महिलाएं पुरुष उपस्थित थे।

डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल अमलाई में किया गया समर कैम्प का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अमलाई। 02 अप्रैल को डी.वी.एम. पलिक स्कूल अमलाई में समर कैम्प का आयोजन किया गया जो तीन दिन तक जारी रहेगा। समर कैम्प के आयोजन के प्रथम दिन इस अवसर पर मुख्य अतिथि वैभव विक्रम सिंह नगर परिषद उपाध्यथ बकहो तथा विशिष्ट अतिथि नगर पार्षद श्रीमती बेला बाई वार्ड नं 15 की उपस्थिति में समर कैम्प का उद्घाटन किया गया। इस समर कैम्प की शुरुआत हवन यज्ञ से किया गया जिसमें सभी अतिथिगण तथा विद्यालय परिवार भाग लिया। इस अवसर पर हनुमान चालीसा पाठ भी किया गया। समर कैम्प में सभी उपस्थित विद्यार्थी (छात्र व छात्राएँ) मिक्की माउस, जम्बलिंग, होर्स राइडिंग का भरपूर आनन्द लिया। इस अवसर विद्यालय प्राचार्य डी. के. सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थीचों को शारीरिक तथा मानसिक रूप से मजबूत रहने तथा गर्मी के समय में स्वयं को स्वस्थ्य रहने के तरीके तथा उपाय के साथ खान-पान का भी ध्यान रखने पर बल दिया। वैभव विक्रम सिंह तथा श्रीमती बेला बाई ने भी बच्चों को कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित किया, उत्साहवर्धन किए।. बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम म्यूजिक, डांस में भी हिस्सा लिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों का पूरा योगदान है अनेक कार्यक्रम बच्चों द्वारा कराया जाएगा। अन्त में प्राचार्य ने सभी को अधिक से अधिक समर कैम्प में भाग लेने हेतु प्रेरित किए अतिथियों का आभार व्यक्त किए।

सवालों के कटघरे में जनपद सीईओ, क्या उच्च स्तर से मिल रहा सचिव को अभयदान

ग्राम पंचायत पयारी नंबर 1 के कथित गबन की फर्जी रिपोर्ट

हेल्पलाइन का उड़ा मखौल!

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

क्या मध्य प्रदेश सरकार की 'मुख्यमंत्री सीएम हेल्पलाइन' (181) अब केवल फाइलों का पेट भरने और भ्रष्ट तंत्र को 'क्लीन चिट' देने वाली मशीन बनकर रह गई है जनपद पंचायत अनूपपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत पयारी क्रमांक 1 में सचिव के कथित मनमाने भ्रष्टाचार और उस पर लीपापोती करने वाले अधिकारियों के गठजोड़ ने इसी ओर इशारा किया है। सीएम हेल्पलाइन शिकायत (क्रमांकः 37380134) पर जांच अधिकारी और जनपद सीईओ की कार्यप्रणाली ने सुशासन के दावों की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं।

तानाशाही, नियमों का कत्ल और कथित गबन का खुला खेल

शिकायतकर्ता के गंभीर आरोपों के अनुसार, पंचायत सचिव ने पूरी त्रि-स्तरीय व्यवस्था को अपनी बपौती बना लिया है। मध्य प्रदेश ग्राम पंचायत (स्थायी समिति के सदस्यों की पदावधि तथा कार्य संचालन की प्रक्रिया) नियम, 1994 के तहत अनिवार्य स्थायी समितियों की बैठकों का कोई अता-पता नहीं है। पंचों के वैधानिक अधिकारों को कुचलते हुए, सचिव पर कथित तौर पर अपनी मर्जी से 'पंचायत दर्पण पोर्टल' पर बिल लगाकर, बिना भौतिक सत्यापन के ही शासकीय राशि निकालने के गंभीर आरोप हैं। मामले को दबाने के लिए पुरानी तारीखों में फर्जी प्रस्ताव और जाली हस्ताक्षर रचे जाने की प्रबल आशंका भी जताई गई है।

जांच के नाम पर 'सफेद झूठ' और कागजी लीपापोती

इस कथित महाघोटाले की शिकायत (क्र. 37380134) जब सीएम हेल्पलाइन में पहुंची, तो जांच अधिकारी ने सच्चाई सामने लाने के बजाय, टेबल पर बैठकर 'सफेद झूठ' की पटकथा लिख दी। पोर्टल पर पूरी बेशर्मी से जांच अधिकारी द्वारा यह भ्रामक प्रतिवेदन दर्ज कर दिया गया। पीसीओ से प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार शिकायत में जिस नाम से शिकायत की गई है उनके द्वारा कोई भी शिकायत नही की गई है। शिकायतकर्ता के नाम से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गलत मोबाइल नम्बर का प्रयोग करते हुए उक्त शिकायत सीपी ग्राम में के माध्यम से की गई है शिकायत में दर्ज मोबाइल नम्बर बन्द है कृपया शिकायत बन्द करने का कष्ट करें। जबकि हकीकत में शिकायतकर्ता का नंबर पूरी तरह से चालू है। यह स्पष्ट करता है कि जांच अधिकारी ने न तो मौके पर जाने की जहमत उठाई और न ही सच्चाई जानने की।

सबसे बड़ा सवालः क्या जनपद सीईओ बन गए हैं 'मूकदर्शक'?

इस पूरे कथित फर्जीवाड़े में जनपद पंचायत के सीईओ की भूमिका सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है। जनता के टैक्स से वेतन पाने वाले एक जिम्मेदार अधिकारी ने इस 'फर्जी रिपोर्ट' को बिना क्रॉस-चेक किए आंख मूंदकर आगे कैसे बढ़ा दिया। क्या महोदय के पास इतना भी समय नहीं था कि वे उस कथित 'बंद नंबर' पर एक कॉल लगाकर सच्चाई परख लेते? क्या बिना उच्चाधिकारियों की मौन स्वीकृति या संरक्षण के कोई इतनी बड़ी भ्रामक रिपोर्ट शासन के पोर्टल पर डालने की हिम्मत कर सकता है? स्थानीय लोगों में तीखी चर्चा है कि की यह 'चुप्पी' और बिना सत्यापन रिपोर्ट को स्वीकार करना, कहीं न कहीं आरोपी सचिव को बचाने की कथित साजिश का ही हिस्सा प्रतीत होता है।

क्या बंद कर देनी चाहिए हेल्पलाइन?

जनता का सीधा सवाल है कि यदि वातानुकूलित कमरों में बैठकर, 'बंद नंबर' का बहाना बनाकर शिकायतों को रफा-दफा ही करना है, तो सरकार को इस 'सीएम हेल्पलाइन' का तमाशा तत्काल बंद कर देना चाहिए। अब यह मांग जोर पकड़ रही है कि जिला प्रशासन और कलेक्टर तत्काल प्रभाव से मध्य प्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 69 तथा 'मध्य प्रदेश पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम, 1999' के तहत पंचायत सचिव को निलंबित कर कठोर दंडात्मक कार्रवाई करें। साथ ही, शासन को गुमराह करने वाली भ्रामक रिपोर्ट देने वाले जांच अधिकारी और सीईओ कां इस घोर पर्यवेक्षणीय लापरवाही के लिए जनपद की कार्यप्रणाली की भी उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और आपराधिक प्रकरण दर्ज हो, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

इनका कहना है

सीएम हेल्पलाइन पर अगर गलत प्रतिवेदन दिया गया है तो आप सीएम हेल्पलाइन नंबर मुझे दे दीजिए मैं उनको बोल देता हूं आपसे बात कर लेंगे।

दिलीप पांडे
अपर कलेक्टर अनूपपुर

खबर संक्षेप

कटनी में जनगणना 2027 की तैयारियां तेज

कटनी। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के सफल क्रियान्वयन को लेकर कटनी जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में फील्ड ट्रेनर्स के लिए आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय बैच 1 अप्रैल से 3 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य स्तर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की गहन जानकारी दी जा रही है। इसमें जनगणना 2027 की मूल अवधारणाएं, परिभाषाएं, नवीन प्रक्रियाएं तथा तकनीकी पहलुओं को सरल और व्यवस्थित ढंग से समझाया जा रहा है। विशेष रूप से सीएमएमएस पोर्टल एवं एचएलओ ऐप के उपयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे जनगणना कार्य को अधिक पारदर्शी, सटीक एवं प्रभावी बनाया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि फील्ड स्तर पर कार्य निष्पादन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद फील्ड ट्रेनर्स अपने-अपने चार्ज स्तर पर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे, जिससे संपूर्ण जनगणना प्रक्रिया का सुचारू एवं समयबद्ध संचालन सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम का सतत निरीक्षण जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता बनी रहे।

एचपीव्ही टीकाकरण अभियान की शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के दिये निर्देश

कटनी। महिलाओं में होने वाले खतरनाक सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिले में 14 से 15 वर्ष की आयु की किशोरी बालिकाओं के लिए 28 फरवरी से चलाये जा रहे एचपीव्ही टीकाकरण अभियान के अंतर्गत अधिकारियों को शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के निर्देश दिये हैं। भारत सरकार के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा 14-15 वर्ष की किशोरी बालिकाओं (जिन्होंने 14वां जन्मदिन मना लिया हो एवं 15वां जन्मदिन नहीं मनाया है) को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीव्ही के टीकाकरण अभियान की शुरूआत 28 फरवरी से की गई है। अभियान के तहत माह मार्च, अप्रैल एवं मई तक कुल 90 दिवसों में एचपीव्ही टीकाकरण अभियान चलाकर पात्र किशोरी बालिकाओ को निःशुल्क एचपीव्ही वैक्सीन का टीकाकरण लगाया जा रहा है। इस अभियान अंतर्गत प्रदेश में अभी तक 2 लाख से अधिक किशोरी बालिकाओ सफलतापूर्वक टीकाकृत किया जा चुका है। कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा है कि जिले के समस्त स्कूलों (शासकीय और निजी) में नवीन शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। अधिकाशतः 14-15 वर्ष की किशोरी बालिकायें कक्षा 8वीं व 9वीं में अध्ययनरत होती है। जिनको सवाईकल कैंसर बीमारी और उससे बचाव तथा एचपीव्ही टीकाकरण के प्रति जागरूक करना अति आवश्यक है।

अधिकारियों ने गैस एजेंसी एवं पेट्रोल पंपों में स्टॉक का किया भौतिक सत्यापन

कटनी। जिले में घरेलू गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर संयुक्त जांच दल द्वारा विजयराघवगढ़ में सघन जांच अभियान चलाया गया। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा विजयराघवगढ़ स्थित अशरफी पेट्रोल पंप का औचक निरीक्षण कर स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। जांच के दौरान पेट्रोल का स्टॉक 3154 लीटर, पावर पेट्रोल 4375 लीटर एवं डीजल 9814 ली पाया गया। इसी प्रकार नदी पार विजयराघवगढ़ में राजस्व एवं खाद्य विभाग के संयुक्त जांच दल द्वारा गुरु कृपा होटल की जांच की गई। जांच दौरान होटल में भट्टी का उपयोग पाया गया। यहां खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दही और पेड़ा के सैंपल लिए गए। इसके अलावा संयुक्त जांच दल द्वारा श्री साईं भारत गैस एजेंसी की जांच की गई।

वैदिक अनुष्ठान के साथ डीएवी पब्लिक स्कूल बुढ़ार के नवीन शैक्षणिक सत्र का हुआ शुभारंभ

बुढार। डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल बुढ़ार में नवीन शैक्षणिक सत्र का श्रीगणेश त्रि-कुण्डीय वैदिक अनुष्ठान के साथ किया गया। डी.ए.वी. विद्यालय के मुख्यद्वार से नवीन शैक्षणिक सत्र के पुनीत अवसर पर कलश-शोभायात्रा दयानन्द प्रशस्ति का गायन तथा आर्यसमाज के गगन भेदी नारों के साथ त्रि-कुण्डीय वैदिक अनुष्ठान से हुआ।

इस अवसर पर शिक्षक राकेश तिवारी ने उपस्थित छात्रों एवं अभिभावकों को डी.ए.वी. संस्था की उत्कृष्टता से अवगत कराया, इसके उपरांत शंख-ध्वनि के साथ आचार्य परमानन्द शर्मा ने आर्य परम्परा के अनुसार यज्ञ सम्पन्न करवाया। विद्यालय के प्राचार्य विनय मोहन उर्मलिया सपत्निक यज्ञ के मुख्य यजमान रहे और शिक्षको, छात्रों तथा अभिभावकों ने आहुति के माध्यम से परमपिता परमात्मा को अपनी श्रद्धा समर्पित किये। यजमान की आसन्दी से विद्यालय के प्राचार्य विनय मोहन उर्मलिया ने कहाकि-"यज्ञ से हमारा मन शुद्ध एवं पवित्र होता है तथा आत्मिक बल सदैव विकसित होता है। विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र से ही कक्षा ग्यारहवीं हेतु कामर्स एवं विज्ञान संकाय के लिए प्रोविजनल एडमिशन की प्रक्रिया के साथ-साथ ग्यारहवीं की कक्षा भी संचालित की जा रही है। प्राचार्य श्री उर्मलिया ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहाकि-"विद्यार्थियों यह विद्यालय आपका दूसरा घर है, यहाँ शिक्षक आपके गुरु हैं जो आपको माता-पिता की तरह सही दिशा में मार्गदर्शन करेंगे, हमें अपने जीवन में कभी भी निराश नहीं होना चाहिए, असफलता ही सफलता की कुँजी है। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन सी.एल. सरावगी ने अपने शुभकामना सन्देश में कहाकि-₹नवीन शैक्षणिक सत्र का यह दिन हमारे विद्यालय के लिए एक नये अध्याय के शुरुआत का भी प्रतीक है, यह दिन हमें नई उम्मीदें, नये सपने और नई चुनौतियों का सामना करने का अवसर प्रदान करता है। छात्रों को प्रेरणा देते हुए श्री सरावगी ने शुभकामना संदेश में कहाकि-यह समय भावी कर्णधारो के सपनों को साकार करने का है, और शिक्षा ही वह शस्त्र है जिससे छात्र अपने भविष्य के सारी अज्ञानता रूपी अन्धकार को नष्ट कर लक्ष्यो की ओर अग्रसर होंगे, मुझे यह पूर्ण विश्वास है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सांदीपनि विद्यालय मऊ में धूमधाम से किया गया प्रवेश उत्सव कार्यक्रम

मऊ ब्योहारी। सांदीपनि विद्यालय मऊ ब्योहारी जिला शहडोल म.प्र. में शासन के निर्देशानुसार नवीन शिक्षण सत्र 2026-27, दिनांक 01 अप्रैल 2026 को श्री पुष्पेन्द्र सिंह पटेल 'जिला पंचायत सदस्य' के मुख्य अतिथ्य एवं श्रीमती राजकुमारी खैरवार 'सरपंच' ग्राम खामडॉड के अध्यक्षता व अभिभावक, छात्रों की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम बडे. ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। प्राचार्य पीएल मिश्रा एंव उपप्राचार्य रामचरित द्विवेदी द्वारा बच्चों को रोली चन्दन लगाकर व पुष्प वर्षाकर विद्यालय में प्रवेश कराया गया। आये हुये अतिथियों एवं अभिभावकों को विद्यालय के स्टॉफ द्वारा टीका चन्दन व पुष्प देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के कर कमलों से निःशुल्क पाठय-पुस्तक वितरण कराया गया। विद्यालय के प्राचार्य के द्वारा नवीन भवन अभी प्राप्त न होने के कारण प्रवेश प्रक्रिया विद्यालय के पूर्व बैठक क्षमता के आधार पर किये जाने की जानकारी दी गई। प्रवेश उत्सव के द्वितीय दिवस दिनांक 02.04.2026 को खेल-कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया, जिससे छात्र विशेष उत्साहित दिखे।

जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ

ब्यौहारी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्य प्रदेश शासन, जिला समन्वयक विवेक पांडे जी के निर्देशानुसार ब्लॉक संबंधीय शिवदत्त उरमलिया अयोध्या जन विकास समिति के अध्यक्ष सुदामा प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पथरेही के द्वारा जन सूचना केंद्र कार्यालय के सामने जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया निश्चित रूप से प्याऊ खुल जाने से क्षेत्र से आने वाले राहगीरों को ठंडा पानी मिल सकेगा

नरवाई में आग लगाने पर 15 हजार तक का अर्थदंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नरवाई में आग लगने की घटनाओं में प्रभावी नियंत्रण रखने और जनसमान्य के हित, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, पर्यावरण की हानि रोकने एवं लोकव्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी ने कानून व्यवस्था एवं जनसुरक्षा की दृष्टि से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत जिले की सीमा के अंतर्गत किसानों द्वारा फसल कटाई उपरांत नरवाई जलाने को प्रतिबंधित कर दिया है।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि प्रायः यह देखा जाता है कि फसल कटाई के पश्चात किसान अपने खेतों में हरे डण्ठलों, फसल अवशेष (नरवाई) में खुले रूप से सुरक्षात्मक उपायों को अपनायें बिना आग लगाकर खेतों की सफाई करते है। इससे उड़ने वाली चिंगारी से आस-पास के खेत व अन्य तरीकों से अग्नि की बड़ी दुर्घटना होने की संभावना होती है। फसल अवशेष में आग लगाने से भूमि की उर्वरा शक्ति कम होती है तथा पर्यावरणीय प्रदूषण भी बढ़ता है। साथ ही जनहानि एवं पशु पक्षियों की हानि की भी संभावना बनी रहती है।

कलेक्टर श्री तिवारी ने जारी आदेश में कहा है कि फसलों की कटाई में उपयोग किये जाने वाले प्रत्येक कम्बाईन्ड हार्वेस्टर के साथ भूसा तैयार करने हेतु स्ट्रा रीपर अनिवार्य रूप से रखा जाये या कम्बाईन्ड हार्वेस्टर में स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। जिले में चलने वाले कम्बाईन्ड हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा रीपर या स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम की सतत निगरानी विकासखण्ड स्तरीय और ग्राम पंचायत स्तरीय निगरानी समिति द्वारा की जायेंगी। साथ ही बिना स्ट्रा रीपर व स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के कम्बाईन्ड हार्वेस्टर चलाये जाने पर हार्वेस्टर मालिक पर वैधानिक कार्यवाही एवं दण्ड अधिरोपित किया जायेंगा।

नरवाई जलाने पर, जिन कृषकों के पास दो एकड़ से कम जमीन है उन्हें 2 हजार 500 रूपये प्रति घटना पर्यावरण क्षतिपूर्ति अर्थदण्ड देना होगा।

उमरिया में महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

उमरिया। जिले में लगातार बढ़ रही महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं बिजली दरों में वृद्धि तथा रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत के विरोध में आज गांधी चौक, उमरिया में जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी विजय कोल के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष इंजी विजय कोल ने केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए कहा कि आम जनता महंगाई की मार से त्रस्त है। पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने परिवहन खर्च बढ़ा दिया है, जिससे दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम भी आसमान छू रहे हैं। वहीं बिजली दरों में वृद्धि से आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। इसके साथ ही रसोई गैस सिलेंडर की कमी और बढ़ती कीमतों ने गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। प्रदर्शन के पश्चात कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर उमरिया को सौंपा। ज्ञापन में पेट्रोल-डीजल एवं बिजली दरों में तत्काल कमी करने, गैस सिलेंडर की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा आम जनता को राहत प्रदान करने की मांग की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार शीघ्र ही इन समस्याओं का समाधान नहीं करती है, तो कांग्रेस पार्टी जनहित में और भी व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। कार्यक्रम में संजय अग्रवाल, प्रदीप तिवारी, असलम शेर, अनुराग सिंह अम्बुज, संतोष सिंह जी, मनीष सिंह बरकड़े, विक्रम प्रताप सिंह, पंकज गौतम, सीताराम सूर्यवंशी, पीडी प्रभाकर, प्रीतम पाठक, तिलक राज सिंह, वीरेंद्र सिंह सेंगर, मो नईम, राजेश कोल, लक्ष्मण कुशवाहा, डॉ बेटी बाई रजक, मिथलेश राय, रवि मिश्रा, गौरी शंकर मिश्रा, विजय सिंह, मनोहर सिंह मरावी, सुखसेन कोल, रामगोपाल दाहिया, एड पुष्पराज सिंह आदि लोगों ने सम्बोधित किये।

कार्यक्रम में अजय सोमवंशी, लाल भवानी सिंह, कमलेश राय, सुखराज सिंह, बहोरी साहू, रहीश मंसूरी, राजेंद्र तिवारी, रामकिंकर पाल, झल्लू कोल, किशोर सिंह, दुर्गेश साहू, विजय यादव, अरुण सिंह मार्को, दीपक नायक, संतोष सिंह राठौर, अनुराग महरा, रेवा महार, सनत कुमार महार, माया सिंह, अंजू सिंह, भोला यादव, वंश स्वरुप शर्मा, सत्य देव शर्मा, सोहन लाल यादव, इंद्र कुमार महरा, भूपत सिंह, सोमचंद सिंह, मयंक प्रताप सिंह, सूरज कुमार यादव, ध्रुव सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता, मुन्ने लाल प्रजापति, मंगल सिंह, कृष्ण पाल सिंह राठौर, राजेश तिवारी, राजेश शुक्ला, सत्य प्रकाश साहू, येशोराम सिंह सहित जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चा-प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन एड शिशुपाल यादव ने किया।

वरिष्ठ अधिवक्ताओं का हुआ आगमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद शिकायत निवारण समिति की जिला प्रतिनिधि एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज ने बताया कि मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के 2026 के होने वाले चुनाव के अंतर्गत एडवोकेट अक्षय बजाज एवं नव अधिवक्तागण के आग्रह पर मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के उपाध्यक्ष व कटनी मंडला जिला प्रभारी वरिष्ठ अधिवक्ता आर के सैनी व उनके सहयोगी अधिवक्तागण का कटनी दौरा हुआ।

इसमें सर्वप्रथम आरके सिंह सैनी ने कटनी जिला शिकायत निवारण समिति की जिला प्रतिनिधि एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज व अधिवक्तागणो के साथ न्यायालय परिसर मे प्रवेश किया साथ ही उन्होंने वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ताओ से उनके चेम्बरो मे जा जा कर मुलाक़ात की व अधिवक्ता परिषद के चुनाव मे अपने लिए समर्थन माँगा।

एडवोकेट आर के सिंह सैनी ने समस्त अधिवक्ता भाई बहनो से अपील की आप की छोटी से छोटी व बड़ी से बड़ी समस्या हमारी है। आपके किसी भी तरह की जनसमस्या या प्रशाशनिक समस्या है तो उसको आप तुरंत लिखित प्रारूप में हमारी जिला प्रतिनिधि सदस्य एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज को लिखित रूप से दे, हम आपकी समस्याओ का निराकरण करेंगे। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात करके समस्या का तुरंत निवारण किया जाएगा, जरूरत पड़ने पर हम और हमारी टीम के सदस्य कटनी आकर के संबंधित अधिकारियों से बात करके तुरंत निराकरण करवाएंगे। आर के सैनी के साथ जनसम्पर्क मे पूर्व अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ कटनी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश दीक्षित, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ कटनी अमित शुक्ला, अंजुला सरावगी बजाज आदि उपस्थित रही।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड वृद्धि, पिछले वर्षों के आंकड़े पीछे छूटे

राजस्व वसूली में नगर निगम ने रचा कीर्तिमान, 39.24 करोड़ जुटाये

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम कटनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व वसूली के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता अर्जित करते हुए नया इतिहास रच दिया है। निगम द्वारा संपत्तिकर, जलकर, किराया एवं अन्य मदों में की गई प्रभावी वसूली के चलते इस वर्ष अब तक की सर्वाधिक राशि 39.24 करोड़ जमा कराई गई है। जो विगत वर्ष की तुलना में 58.16 फीसदी अधिक है।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की सुदृढ़ रणनीति, सतत मॉनिटरिंग एवं सख्त कार्यवाही एवं वसूली को समय-समय पर दिये गए दिशा- निर्देशों के परिणामस्वरूप ही वसूली में यह उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करने में सफलता हासिल की जा सकी। विशेष बात यह रही कि इस वर्ष वसूली अभियान को जन आंदोलन का रूप दिया गया, जिससे नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सकी।

बीते वर्षों के रिकॉर्ड ध्वस्त

विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष राजस्व में भारी वृद्धि दर्ज की गई। संपत्तिकर, जलकर, किराया एवं अन्य मदों में अभूतपूर्व वृद्धि ने यह सिद्ध कर दिया कि सुनियोजित रणनीति और दृढ़ इच्छाशक्ति से कोई लक्ष्य असंभव नहीं है।

नगर निगम की वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की तुलनात्मक वसूली अनुसार संपत्ति कर में वित्तीय 2024-25 में जहां 12.83 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे वहीं वित्तीय वर्ष 2025 -2026 में 16.47 करोड़ रुपये की वसूली की गई है, इसी प्रकार जलकर वसूली में वित्तीय वर्ष 2024 -2025 में 4.4 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 6.95 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। वहीं बाजार किराया राशि वित्तीय 2024-25 में जो 1.52 करोड़ रुपये प्राप्त हुई वहीं वित्तीय वर्ष 2025 -2026 में 1.71 करोड़ प्राप्त हुई है। जबकि विविध शुल्क के रूप में वित्तीय 2024-25 में जहां 5.1करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे वो इस वित्तीय वर्ष 2025 -2026 में 13.38 करोड़ रुपये जमा कराए गए है। वहीं भवन अनुज्ञा मद में इस वित्तीय वर्ष में 73 लाख रुपये जमा कराए गए है। इस प्रकार इस वित्तीय वर्ष में राजस्व आय के रूप में 39.24 करोड रूपये जमा किये गए है जो विगत वर्ष की वसूली से 58.16 फीसदी अधिक है।

अभियान बना गेमचेंजर

निगमायुक्त के निर्देशन में राजस्व वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया गया। वार्डवार टीमों का गठन कर घर-घर संपर्क किया गया। बकायेदारों को नोटिस जारी किए गए तथा आवश्यकतानुसार वारंट, तालाबंदी जैसी सख्त कार्यवाहियां भी अमल में लाई गईं। शहर के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग, एनाउन्समेंट, बैनर एवं प्रचार-प्रसार के माध्यम से नागरिकों को कर अदायगी हेतु प्रेरित किया गया। उक्त समस्त कार्यवाहियों का व्यापक असर राजस्व वसूली अभियान के दौरान देखने को मिला।

नवाचारों से बढ़ी सहभागिता

नगर निगम द्वारा प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं एवं सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्य डिजिटल भुगतान सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार, वार्डो बल्क मैसेज, ऑन-द-स्पॉट समाधान, अवकाश के दिनों में कैश काउंटर खुला रखकर बकाया कर जमा करने की सुविधा तथा नगर निगम कार्यालय, जोन कार्यालय, सहित बाजार क्षेत्रों एवं वार्डो में विशेष शिविर एवं लोक अदालतों का आयोजन कर करदाताओं को सरल एवं त्वरित सेवाएं प्रदान की गईं। इन नवाचारों के चलते नागरिकों में विश्वास बढ़ा और उन्होंने स्वेच्छा से बकाया कर जमा कर निगम प्रशासन का सहयोग किया।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय नगर निगम प्रशासन ने नगर के जागरूक करदाताओं एवं राजस्व वसूली टीम के समर्पित प्रयासों को दिया है। निगमायुक्त ने कर्मचारियों अधिकारियों को आगे भी इसी तरह टीम भावना से कार्य करने की नसीहत दी है।

छात्रावास की सीट बढ़ाने विधायक को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलौड़ी

कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास सिलौंड़ी की छात्राओं ने विधायक को पत्र लिखकर 25 सीटों की वृद्धि की मांग की है। छात्रावास की स्वीकृत क्षमता 150 सीट है, जिसमें कक्षा 10वीं तक की छात्राएं निवासरत हैं। यह छात्रावास क्षेत्र के दूरस्थ ग्रामीण आदिवासी अंचलों की छात्राओं के लिए शिक्षा प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

विगत शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं में लगभग 28 छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं, जो आगे की पढ़ाई की उत्सुक हैं। छात्रावास में सीटों की कमी एवं बजट स्वीकृत न होने के कारण उनके रहने की व्यवस्था उपलब्ध नहीं हो रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों की आदिवासी बहुल्य परिवारों की पात्र छात्राएं इससे संबंधित होती हैं। सीमित सीट संख्या के कारण उन्हें प्रवेश नहीं मिल रहा है, जिससे आगे की शिक्षा से वंचित हो जाती हैं।

छात्राओं की शिक्षा निरंतर बनाए रखने तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छात्रावास में कम से कम 25 सीटों की वृद्धि किया जाना अति आवश्यक है, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद छात्राओं को आवासीय सुविधा मिल सके और वे अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकें।

छात्राओं के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है और वे लोग शहर में भी नहीं रह सकते क्योंकि उनके माता-पिता के पास इतनी आय भी नहीं है और उनके गांव में बस आदि वाहन उपलब्ध नहीं है। यदि छात्रावास आगे नहीं बढ़ेगा तो उनकी पढ़ाई बंद हो जाएगी।

खबर संक्षेप

नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका ने नगर परिषद बनगवां में संभाला कार्यभार

राजनगर। कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल के पत्र क्रमांक 998/सं.सं./स्था./2026, शहडोल 02 अप्रैल के अनुसार नगर परिषद बनगवां (राजनगर) को वर्तमान मुख्य नगर पालिका अधिकारी राममिलन तिवारी के स्वास्थ्य खराब होने एवं मेडिकल कॉलेज जबलपुर में इलाजरत होने के कारण, कार्य व्यवस्था एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से नगर परिषद बनगवां (राजनगर) का कार्य संचालित किए जाने हेतु लखन लाल पनिका राजस्व उप निरीक्षक नगर पालिका बिजुरी को अपने वर्तमान कार्यों के साथ-साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद बनगवां (राजनगर) का मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की सुसंगत धाराओ में मध्यप्रदेश नगर पालिका (वित्त एवं लेखा) नियम 2018 के अनुसार मुख्य नगर पालिका अधिकारी बनगवां (राजनगर) के प्रशासकीय एवं वित्तीय कार्य किए जाने हेतु, अन्य आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से अधिकृत किया गया है। फिर एक बार लखन लाल पनिका नये मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में हमें मिले हैं। विगत शाम लखन लाल पनिका ने नगर परिषद बनगवां (राजनगर) पहुंच कर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में पद ग्रहण किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका के नगर परिषद कार्यालय पहुंचने पर नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने उनका हार्दिक स्वागत किया।

अनूपपुर जिले में गेहूँ उपार्जन 15 अप्रैल से प्रारंभ, 6 केंद्र निर्धारित

अनूपपुर। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में गेहूँ उपार्जन का कार्य 15 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूँ क्रय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिले में 6 उपार्जन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। दुलहरा समिति के लिए मां शारदा वेयरहाउस, 2 बरबसपुर, पटनाकला समिति के लिए कृषि उपज मंडी अनूपपुर, मझगवां (फुनगा) समिति के लिए शारदा फूड प्रोसेसिंग गोदाम पयारी, धनगवां समिति के लिए सिंह वेयरहाउस छातापटपर, बिजुरी समिति के लिए बतूल वेयरहाउस कोतमा तथा राजेंद्रग्राम समिति के लिए गोदाम राजेंद्रग्राम को उपार्जन केंद्र के रूप में निर्धारित किया गया है। संबंधित केंद्र प्रबंधकों को किसानों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जंगल में मिली जली कार का खुलासा

यूपी से लूटी गई वर्ना को साक्ष्य मिटाने के लिए फूंका

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा। कोतमा थाना क्षेत्र के चाका जंगल में मिली जली हुई कार की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। शुरुआती जांच में अज्ञात लग रही यह कार अब उत्तर प्रदेश के फतेहपुर से लूटी गई हुंडई वर्ना निकली है। बदमाशों ने ड्राइवर को नशीला पदार्थ खिलाकर कार लूटी और पहचान छिपाने के लिए उसे जंगल में जलाकर फरार हो गए। पुलिस अब आरोपियों की तलाश में जुटी है। कोतमा थाना क्षेत्र अंतर्गत चाका के घने जंगल में मिली जली हुई कार के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है।

खाक हो चुकी इस कार की पहचान करना शुरुआती दौर में चुनौतीपूर्ण था, लेकिन तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने वाहन की पहचान कर ली। जांच में सामने आया कि यह कार उत्तर प्रदेश के फतेहपुर से लूटी गई हुंडई वर्ना (यूपी 16 एएल 5178) है। जानकारी के अनुसार, बीते दिनों जंगल में मुख्य मार्ग से करीब 150 मीटर अंदर यह कार संदिग्ध स्थिति में जली हुई मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। वाहन नंबर ट्रेस करने पर पता चला कि इस कार से जुड़ा मामला 27 मार्च को फतेहपुर सिटी कोतवाली में दर्ज हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक बदमाशों ने ड्राइवर को नशीला पदार्थ खिलाकर उसे बेहोश किया और कार लेकर फरार हो गए थे। आशंका है कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने के लिए कार को कोतमा के जंगल में लाकर जला दिया।

जांच में खुला बड़ा राज

चाका जंगल में मिली कार पूरी तरह जल चुकी थी, जिससे उसकी पहचान लगभग नामुमकिन लग रही थी। हालांकि पुलिस ने वाहन के अवशेषों और तकनीकी मदद से नंबर ट्रेस कर लिया। जांच में यह सामने आया कि कार उत्तर प्रदेश के फतेहपुर से लूटी गई थी। इस खुलासे के बाद मामला अंतरराज्यीय अपराध से जुड़ गया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि बदमाश किस रूट से कोतमा पहुंचे और वारदात के पीछे कौन-कौन शामिल है।

जहरखुरानी के बाद लूटी गई कार

फतेहपुर में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार बदमाशों ने ड्राइवर को निशाना बनाते हुए उसे नशीला पदार्थ खिलाया। ड्राइवर के बेहोश होते ही आरोपी कार लेकर फरार हो गए। इस तरह की वारदातें आमतौर पर योजनाबद्ध तरीके से की जाती हैं, जिसमें पहले

शिकार को भरोसे में लिया जाता है और फिर जहरखुरानी कर घटना को अंजाम दिया जाता है। इस मामले में भी यही तरीका अपनाया गया, जिससे साफ है कि आरोपी पेशेवर अपराधी हो सकते हैं।

साक्ष्य मिटाने की कोशिश

कार को कोतमा के सुनसान जंगल में लाकर जलाना यह दर्शाता है कि आरोपी अपने पीछे कोई सबूत नहीं छोड़ना चाहते थे। जली हुई कार की हालत इतनी खराब थी कि पहली नजर में उसकी पहचान करना संभव नहीं था। हालांकि पुलिस की जांच ने इस कोशिश को नाकाम कर दिया। माना जा रहा है कि बदमाशों ने अपराध की कड़ी को तोड़ने के लिए इस तरीके का इस्तेमाल किया, लेकिन तकनीकी जांच ने पूरे मामले की परतें खोल दीं।

आरोपियों की तलाश जारी

मामले के खुलासे के बाद अब पुलिस का फोकस आरोपियों तक पहुंचने पर है। अंतरराज्यीय कनेक्शन सामने आने के कारण पुलिस अन्य राज्यों की एजेंसियों से भी संपर्क कर रही है। संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि इस वारदात में कोई गिरोह सक्रिय तो नहीं है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

पत्रकार अमित शुक्ला से मारपीट मामले में फरार दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

एक दिन में दो अलग-अलग वारदातों को दिये थे अंजाम

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। जिले में अवैध उगाही और मारपीट के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों अनीश पटेल एवं गंगाराम पटेल को कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में की गई। जानकारी के अनुसार 17 मार्च की रात आरोपियों द्वारा दो अलग-अलग घटनाओं को अंजाम दिया गया था। पहली घटना में रात लगभग 8 बजे फरियादी अभिजीत सिंह निवासी अनूपपुर के साथ अनीश पटेल, शिब्बू पटेल, मुकेश पटेल और गंगाराम पटेल ने अवैध उगाही के लिए मारपीट और गुंडागर्दी की। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 176/26 के तहत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। वहीं दूसरी घटना उसी रात करीब 11.30 बजे की है, जिसमें पत्रकार अमित कुमार शुक्ला निवासी चेतना नगर अनूपपुर के साथ भी आरोपियों ने मारपीट कर अवैध उगाही की। इस पर अपराध क्रमांक 175/26 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले ही आरोपी शिब्बू पटेल और मुकेश पटेल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था। घटना के बाद से फरार चल रहे अनीश पटेल और गंगाराम पटेल ने 1 अप्रैल को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर ले लिया है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपी आदतन अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इनके विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई भी प्रस्तावित की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह, संतोष वर्मा, प्रधान आरक्षक राजकुमार साहू एवं आरक्षक अमित मरावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिर पर मंदिर रखकर नर्मदा परिक्रमा कर रहे महाराष्ट्र के प्रीतपाल

त्रिदेव और मां नर्मदा की प्रतिमा साथ लेकर कठिन साधना की अनूठी यात्रा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में एक अनोखी और प्रेरणादायक नर्मदा परिक्रमा यात्रा देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के पुणे निवासी प्रीतपाल (उम्र लगभग 40 वर्ष) मां नर्मदा की भक्ति में लीन होकर अपने सिर पर काष्ठ से निर्मित मंदिर रखकर पैदल परिक्रमा कर रहे हैं। इस विशेष मंदिर में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश के साथ मां नर्मदा की प्रतिमा विराजित है। प्रीतपाल अपने दैनिक उपयोग की सामग्री पीठ पर बैग में रखकर कठिन तपस्या और हठयोग के साथ यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने अपनी परिक्रमा यात्रा ओंकारेश्वर धाम से प्रारंभ की थी और लगभग चार महीने की कठिन पदयात्रा के बाद अब अमरकंटक पहुंच चुके हैं। अमरकंटक में माई की बगिया पहुंचकर उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन, आरती एवं तट-जल परिवर्तन की प्रक्रिया पूर्ण की और मां नर्मदा के दक्षिण तट से अपनी आगे की यात्रा पुनः प्रारंभ कर दी है। नर्मदा परिक्रमा यात्री महाराष्ट्र के प्रीतपाल एक हाथ में दंड और कमंडल धारण किए, हंसते-मुस्कुराते हुए भजन-कीर्तन करते निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी यह तपस्या, उत्साह

और अटूट श्रद्धा मार्ग में मिलने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है। प्रीतपाल प्रतिदिन लगभग 25 से 30 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हैं। वे अपनी यात्रा के दौरान खंभात की खाड़ी भी पार कर चुके हैं और अनुमान है कि उनकी परिक्रमा पूर्ण होने में अभी लगभग तीन माह का समय और लगेगा। उनका कहना है कि मां नर्मदा की कृपा से यात्रा के दौरान कभी कोई कमी महसूस नहीं होती। वे प्रतिदिन प्रातः और सायंकाल मंदिर में स्थापित देव प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना करते हैं। प्रीतपाल बताते हैं कि "मां नर्मदा कभी भूखे नहीं सुलातीं, किसी न किसी रूप में सहायता मिल ही जाती है।" उन्होंने यह भी बताया कि नर्मदा परिक्रमा की प्रेरणा उन्हें अपने गांव के लोगों से मिली और यह उनके माता-पिता व पूर्वजों का आशीर्वाद है कि वे इस कठिन लेकिन पवित्र यात्रा को पूरा कर पा रहे हैं।

एटीएम में मदद के बहाने ठगी

महिला के खाते से 32 हजार पार

अनूपपुर/कोतमा। कोतमा क्षेत्र में एक महिला के साथ एटीएम में ठगी का मामला सामने आया है, जहां मदद के बहाने एक अज्ञात युवक ने चालाकी से एटीएम कार्ड बदलकर उसके खाते से 32 हजार निकाल लिए। घटना का खुलासा तब हुआ जब महिला ने रात में मोबाइल चेक किया। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए कार्रवाई और राशि वापस दिलाने की मांग की है। जिले के कोतमा थाना क्षेत्र में एटीएम फ्रॉड का एक नया मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला को मदद का झांसा देकर ठग लिया गया। पीड़िता के अनुसार वह 1 अप्रैल को शाम करीब 4 बजे एटीएम में पैसे निकालने गई थी। उसी दौरान वहां मौजूद एक अज्ञात युवक ने मदद करने के बहाने उसका एटीएम कार्ड लिया और मशीन में डालकर प्रक्रिया पूरी करने का नाटक किया था। इस दौरान आरोपी ने बेहद चालाकी से महिला का एटीएम कार्ड बदल दिया और उसका पिन भी जान लिया। महिला को इस बात का अंदाजा नहीं हुआ और वह घर लौट गई। रात करीब 9:30 बजे जब उसने अपना मोबाइल चेक किया तो खाते से 32,000 निकाले जाने का मैसेज मिला, जिससे वह हैरान रह गई रही थी। इसके बाद महिला ने पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी ने दूसरे एटीएम से पैसे निकाले हैं। पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

मदद के नाम पर रची गई साजिश

घटना में आरोपी ने महिला को आसान शिकार समझते हुए मदद का नाटक किया। एटीएम में अक्सर तकनीकी दिक्कतों या जानकारी के अभाव में लोग दूसरों से सहायता लेते हैं, जिसका फायदा उठाकर ठग इस तरह की वारदातों को अंजाम देते हैं। यहां भी आरोपी ने पहले विश्वास जीतने की कोशिश की और फिर कार्ड बदलकर पूरी योजना को अंजाम दिया। यह तरीका हाल के दिनों में एटीएम फ्रॉड के मामलों में तेजी से देखने को मिल रहा है।

रात में मैसेज से खुला राज

महिला को ठगी का अंदाजा तब हुआ जब रात में मोबाइल पर बैंक ट्रांजेक्शन का मैसेज आया। खाते से 32 हजार निकलने की जानकारी मिलते ही पीड़िता के होश उड़ गए। उसने तुरंत अपने परिजनों को जानकारी दी और अगले ही दिन पुलिस से शिकायत की। इस तरह की घटनाओं में अक्सर देर से जानकारी मिलती है, जिससे आरोपी को भागने का मौका मिल जाता है।

पुलिस जांच में जुटी

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की

जांच शुरू कर दी है। आसपास के एटीएम और इलाके के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि एटीएम में किसी अनजान व्यक्ति की मदद न लें और अपने कार्ड व पिन की जानकारी किसी से साझा न करें।

सावधानी ही बचाव

इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि एटीएम का उपयोग करते समय सतर्क रहना बेहद जरूरी है। किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना कार्ड या पिन देना खतरे से खाली नहीं है। बैंक और पुलिस लगातार लोगों को जागरूक कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि एटीएम इस्तेमाल करते समय पूरी प्रक्रिया खुद करें और किसी पर भी भरोसा करने से बचें, ताकि इस तरह की ठगी से बचा जा सके।

11 सूत्रीय मांग पत्र के समर्थन में थर्मल पावर प्लांट चचाई के द्वार पर सैकड़ों कर्मियों ने दिया धरना

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भामस के अखिल भारतीय मंत्री व विद्युत प्रभारी आरएस जायसवाल और अखिल भारतीय विद्युत सेवानिवृत्त कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण देवांगन भी हुए शामिल। संविदा कर्मचारियों के नियमितिकरण, कर्मचारियों की वेतन विसंगति समाप्त करने, पुरानी पेंशन बहाली, आउटसोर्स कर्मियों को ठेकेदारों के शोषण से मुक्त करने हेतु हरियाणा उत्तर प्रदेश मॉडल पर स्वतंत्र निगम बनाकर उसके माध्यम से वेतन देने, ग्रेच्युटी राशि को केंद्र के अनुरूप 25 लाख करने सहित 11 मांगो के समर्थन में 11 बजे से धरना प्रारंभ हुआ। धरनारत सैकड़ों कर्मियों को सम्बोधित करते हुए भामस के विद्युत प्रभारी आरएस जायसवाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर 4 नए कानून लाए गए है जिसमें दो कानूनों का समर्थन भामसं ने किया गया है तथा दो कानूनों के कुछ बिंदुओं पर आपत्ति दर्ज करते हुए इसे संशोधित करने की मांग केंद्रीय श्रम मंत्री से की गई है सरकार ने आश्वस्त किया है कि शीघ्र ही इस पर विचार कर निर्णय लिए जाएंगे, नए श्रम कानूनों में ठेका श्रमिकों के अधिकार सुरक्षित करने, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उपायों के तहत पूरे देश के सभी कामगारों को न्यूनतम वेतन निर्धारित करने, नियुक्ति पत्र प्रदान करने, स्वास्थ्य सुरक्षा देने, काम के निर्धारित समय बाद काम लेने पर ओवर टाइम देने, जैसे अनेक उपाय किए गए है। विद्युत सेवानिवृत्त महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण देवांगन ने कहा कि मध्यप्रदेश पावर कम्पनी में ग्रेच्युटी राशि केंद्र के अनुरूप 25 लाख अब तक प्रदान न करने, उच्च पद पर नियुक्ति होने पर पूर्व प्राप्त वेतन संरक्षण प्रदान न करने, वरिष्ठ और कनिष्ठ कर्मचारियों के वेतन निर्धारण में भारी विसंगति होने, पावर कम्पनी में लगातार कुशल नियमित कर्मचारियों की कमी होने के लिए प्रशासन की नीति को जिम्मेदार ठहराते हुए इसके निराकरण की मांग की गई। भामसं मध्यप्रदेश के प्रदेश कार्यसमिती सदस्य एवं भारतीय ठेका मजदूर संघ शहडोल संभाग के संभागीय महामंत्री ताराचंद यादव ने ठेका श्रमिकों के शोषण के विरुद्ध संघर्ष का आव्हान किया। कृषि एवं वनवासी ग्रामीण महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री कृष्ण कुमार बैगा और कोयला उद्योग के महेंद्र पाल ने भी अपने संबोधन में बिजली कर्मचारी महासंघ की मांगो से सहमति जताते हुए अपना समर्थन व्यक्त किया। अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय मंत्री सतेन्द्र पाटकर ने अपने संबोधन में कहा कि यदि आज के प्रांत व्यापी आंदोलन के दूसरे चरण को प्रबंधन ने गंभीरता से नहीं लिया तो आगामी 16 अप्रैल को तीसरे चरण के आंदोलन में हजारों बिजली कर्मचारी भोपाल कूच कर विशाल रैली निकाल कर धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे जिसके लिए शासन प्रशासन जिम्मेदार होगा। पाटकर ने शाम 5.30 बजे धरना समापन की घोषणा करते हुए सहयोग के लिए सभी साथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्राचार्य सतीश चंद्र सिंह को भावभीनी विदाई, विदाई समारोह में भावुक हुआ विद्यालय परिवार

वरिष्ठ आचार्य संतोष शुक्ला ने संभाला प्रभार

अनूपपुर। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में वर्ष 2017 से पदस्थ प्राचार्य सतीश चंद्र सिंह के स्थानांतरण के उपलक्ष्य में विद्यालय परिवार द्वारा एक भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं, समिति परिवार एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विदाई समारोह के दौरान वातावरण भावुक हो उठा। उपस्थित सभी जनों ने प्राचार्य के साथ बिताए गए समय और उनके स्नेहिल एवं मार्गदर्शक व्यक्तित्व को याद किया। शिक्षक एवं कर्मचारियों ने उन्हें पितृतुल्य बताते हुए उनके नेतृत्व और कार्यशैली की सराहना की। अपने कार्यकाल में श्री सिंह ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं सामाजिक मूल्यों के संवर्धन हेतु उल्लेखनीय योगदान दिया। वे एक कुशल संगठक, प्रेरणास्रोत एवं समाज के प्रति समर्पित शिक्षाविद् के रूप में जाने जाते रहे हैं। इस अवसर पर शहडोल विभाग के विभाग समन्वयक राम शिरोमणि शर्मा, जिला केंद्र विद्यालय के व्यवस्थापक आदर्श दुबे, मधुकर ग्राम समिति के समन्वयक संजय त्रिपाठी, वरिष्ठ आचार्य बैजनाथ त्रिपाठी, संस्थापक सदस्य तेजूमल भोजवाणी, सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन सिंह, समिति के सदस्य भीमसेन साहू एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती रमा मिश्रा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन प्रभारी प्राचार्य संतोष शुक्ला ने की। सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए प्राचार्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना की एवं उनके योगदान को स्मरण किया। अंत में विद्यालय परिवार द्वारा उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके नए कार्यस्थल पर भी उत्कृष्ट कार्य करने की शुभकामनाएँ दी गईं।